

मंदिर मंदिर जाकर प्राणी ढूँढ रहा भगवान लिरिक्स



मंदिर मंदिर जाकर प्राणी,
ढूँढ रहा भगवान,
कण कण में है राम समाया,
जान सके तो जान,
कण कण में है राम समाया,
जान सके तो जान।bd।

एक ईश्वर की खातिर,
लाखों मंदिर अच्छे अच्छे,
कड़ी धूप में छाया खातिर,
बिलख रहे हैं बच्चे,
उसके अंदर बोल रहे प्रभु,
उसको तो पहचान,
मंदिर मंदिर जाकर प्राणी,
ढूँढ रहा भगवान,
कण कण में है राम समाया,
जान सके तो जान।bd।

पत्थर पे हो नाम हमारा,
करे दिखावा दान,
दरिद्र बनकर जांच रहा है,
नारायण भगवान,
लेके कटोरा हाथ फैलाये,
उधर करो कुछ ध्यान,
मंदिर मंदिर जाकर प्राणी,
ढूँढ रहा भगवान,
कण कण में है राम समाया,
जान सके तो जान।bd।

‘फणी’ है ईश्वर अंदर आकर,
बैठा तुझमे प्राण,
बाहर गंगाजल तू चढ़ावे,
अंदर मदिरा पान,
रोज हो रहा तेरे हाथों,
ईश्वर का अपमान,
मंदिर मंदिर जाकर प्राणी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



कण कण में है राम समाया,
जान सके तो जान।bd।

आज के भक्त का किस्सा सुनलो,
कहता है एडवांस,
बाहर प्रभु को माखन मिश्री,
अंदर मछली मॉस,
ऐसी जगह से ईश्वर जल्दी,
करते है प्रस्थान,
मंदिर मंदिर जाकर प्राणी,
ढूँढ रहा भगवान,
कण कण में है राम समाया,
जान सके तो जान।bd।

मंदिर मंदिर जाकर प्राणी,
ढूँढ रहा भगवान,
कण कण में है राम समाया,
जान सके तो जान,
कण कण में है राम समाया,
जान सके तो जान।bd।

Singer – Dhiraj Kant
